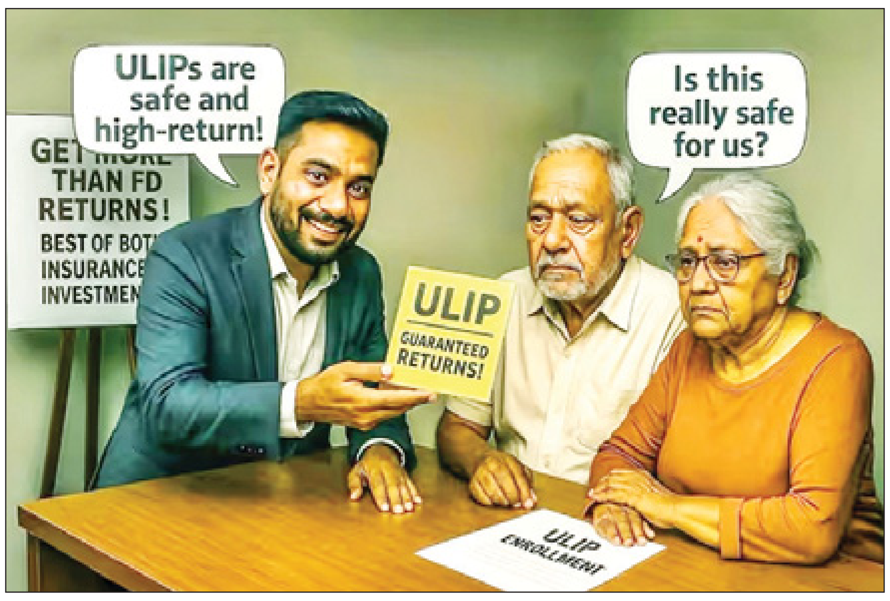

तस्वीर बदल चुकी है, दोबारा लौट रहे हैं यूलिप एफडी पर घटते ब्याज के बीच बन रहा विकल्प

नई दिल्ली

देश के प्रमुख बैंक अपने ग्राहकों को यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान (यूलिप) बेचने में सक्रिय हो गए हैं। इसकी मुख्य वजह है बैंक एफडी पर मिलने वाले ब्याज का घटना। वहीं, यूलिप में बाजार से जुड़ा बेहतर रिटर्न मिलने की संभावना है। बैंक इसे एक समग्र वित्तीय समाधान के रूप में पेश कर रहे हैं, जिसमें बीमा कवर भी है और निवेश का अवसर भी।

हाल के वर्षों में यूलिप की बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। बीमा उद्योग के आंकड़ों के अनुसार, निजी जीवन बीमा कंपनियों के कुल प्रीमियम संग्रह में यूलिप की हिस्सेदारी 50 फीसदी से अधिक हो चुकी है, जो बाजार में इसकी बढ़ती स्वीकार्यता को दर्शाती है।

पुराने से कितने अलग हैं नए यूलिप - एक दशक पहले भारी-भरकम शुल्क, कम रिटर्न और जटिल संरचना के कारण यूलिप की छवि खराब हो गई थी। लेकिन अब तस्वीर बदल चुकी है। आईआरडीएआई के सख्त नियमों के बाद नए यूलिप में बड़े सुधार हुए हैं।

शून्य प्रीमियम एलोकेशन चार्ज: अब आपका पूरा प्रीमियम निवेश में लगता है।

शून्य पालिसी एडमिनिस्ट्रेशन चार्ज: प्रशासनिक खर्च की कोई कटौती नहीं।

लचीलापन: नए यूलिप में लचीलापन सबसे बड़ा नया फीचर है। निवेशक बाजार की स्थिति के अनुसार डेट और इक्विटी फंड के बीच असीमित स्विच कर सकते हैं, वो भी बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के।

इक्विटी फंड की विविधता: निवेशक अपनी जोखिम क्षमता के अनुसार लार्ज कैप, मिड कैप, फ्लेक्सी कैप, इंडेक्स फंड सहित कई प्रकार के इक्विटी फंड में निवेश का विकल्प चुन सकते हैं। नए यूलिप में मुख्य खर्च केवल फंड मैनेजमेंट चार्ज है, जो अधिकतम 1.35% प्रतिवर्ष तक सीमित है। यह म्यूचुअल फंड के खर्चों के करीब है। लंबी अवधि (10-15 वर्ष) में इक्विटी-आधारित यूलिप ने औसतन 10%-13% तक का रिटर्न दिया है, जो पारंपरिक बीमा योजनाओं के 4-5 फीसदी रिटर्न से कहीं बेहतर है।

क्या है यूलिप और किसके लिए बेहतर - यूलिप एक ऐसा उत्पाद है जो बीमा और निवेश को एक साथ जोड़ता है। प्रीमियम का एक हिस्सा मृत्यु लाभ के लिए और शेष हिस्सा चुने गए फंड में निवेश के लिए उपयोग होता है। यह प्लान उन निवेशकों के लिए बेहतर है जो दीर्घकालिक (10 वर्ष या अधिक) निवेश करना चाहते हैं।

न्यूज ब्रीफ

हुंडई एक्सटर पर ग्राहकों को आकर्षक छूट

नई दिल्ली। कार निर्माता कंपनी हुंडई इंडिया की हुंडई एक्सटर पर ग्राहकों को 43,000 रुपए तक के आकर्षक बेनिफिट्स दे रही है। इसकी एक्स-शोरूम कीमत 5.80 लाख रुपए से 9.45 लाख रुपए तक है, हालांकि जून से इसकी कीमत में 5,700 रुपए तक की बढ़ोतरी भी की गई है। पेट्रोल से चलने वाले एमटी (एमटी) और एएमटी (एएमटी) गियरबाक्स वाले एस (एस), एस एक्जीक्यूटिव, एस स्मार्ट और एस प्लस ट्रिम्स पर 25,000 रुपए का कैश डिस्काउंट, 15,000 रुपए तक का एक्सचेंज या स्क्रैपेज बेनिफिट और 3,000 रुपए का सरकारी कर्मचारी या कार्पोरेट आफर मिल रहा है। टाप एसएक्स और एसएक्स (ओ) वैरिएंट्स पर 15,000 रुपए का कैश डिस्काउंट दिया जा रहा है। सबसे ज्यादा फायदा सीएनजी वैरिएंट्स पर है, जहां 43,000 रुपए तक के बेनिफिट्स उपलब्ध हैं। एक्सटर फेसलिफ्ट के पेट्रोल और सीएनजी दोनों वैरिएंट्स पर 35,000 रुपए तक का फायदा मिल रहा है, जिसमें बेस एचएक्स2 को छोड़कर सभी ट्रिम्स शामिल हैं। फीचर्स की बात करें तो, हुंडई एक्सटर 6 एयरबैग्स, एबीएस के साथ ईबीडी जैसे सुरक्षा फीचर्स को सभी वैरिएंट्स में स्टैंडर्ड तौर पर पेश करती है। इसमें कीलेस एंट्री, एलईडी टेल लैंप्स, 4.2 इंच एमआईडी के साथ डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और मैनुअल एसी जैसे फीचर्स बेस वैरिएंट से ही शुरू होते हैं। हायर वैरिएंट्स में टायर प्रेशर मानिटरिंग सिस्टम, 8 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम (एंड्राइड आटो और एपल कारप्ले के साथ), रियर एसी वेंट्स और इलेक्ट्रिकली एडजस्टेबल विंग मिरर्स मिलते हैं।

आनलाइन धोखाधड़ी: पैसे वापसी के लिए तुरंत करें ये काम

नई दिल्ली। डिजिटल भुगतान ने जीवन को बेहद सुविधाजनक बनाया है, लेकिन इसके साथ साइबर धोखाधड़ी के मामले भी लगातार बढ़ रहे हैं। फर्जी काल, फिशिंग लिंक और नकली ऐप्स के जरिए ठग लोगों के बैंक खातों को निशाना बना रहे हैं। ऐसे में अगर आप आनलाइन फ्राड का शिकार हो जाएं, तो सबसे बड़ा सवाल होता है कि क्या आपका पैसा वापस मिल सकता है भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नियमों के अनुसार, कुछ परिस्थितियों में ग्राहक को नुकसान की भरपाई मिल सकती है, बशर्ते वे समय पर कार्रवाई करें। आरबीआई के दिशानिर्देशों के मुताबिक, यदि धोखाधड़ी बैंक की गलती, तकनीकी खामी या किसी तीसरे पक्ष के कारण हुई है और ग्राहक की कोई भूमिका नहीं है, तो घटना की जानकारी के पाँच दिनों के भीतर शिकायत करने पर ग्राहक को पूर्ण सुरक्षा मिलती है और बैंक को पूरा नुकसान वहन करना होगा। हालांकि, शिकायत में 4-7 दिन की देरी होने पर ग्राहक की जिम्मेदारी सीमित हो सकती है, जो खाते के प्रकार पर निर्भर करेगी। वहीं, यदि ग्राहक स्वयं अपनी गोपनीय जानकारी साझा करता है, तो पैसे वापसी की संभावना बेहद कम हो जाती है।

भारत बिल्डकॉन 2026 में 400 करोड़ से अधिक का कारोबार, 40 हजार से ज्यादा आगंतुक पहुंचे

नई दिल्ली। यशोभूमि में आयोजित चार दिवसीय भारत बिल्डकॉन 2026 का समापन शानदार सफलता के साथ हुआ। बिल्डिंग मैटेरियल्स, निर्माण और अवसंरचना क्षेत्र की इस प्रमुख प्रदर्शनी में 30 से अधिक देशों और भारत के 100 से अधिक शहरों से आए 40 हजार से ज्यादा आगंतुकों, खरीदारों और प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

आयोजकों के अनुसार प्रदर्शनी के दौरान ?400 करोड़ से अधिक का कारोबार हुआ तथा 8,000 से अधिक उच्च-क्षमता वाले बिजनेस लीड्स प्राप्त हुए। प्रदर्शनी में सिरेमिक्स, सैनिटरीवेयर, टाइल्स, पेंट्स, हार्डवेयर और निर्माण सामग्री सहित विभिन्न क्षेत्रों की विनिर्माण क्षमताओं का प्रदर्शन किया गया।

भारत बिल्डकॉन के निदेशक विशाल आचार्य ने कहा कि आयोजन ने उद्योग, सरकार और वैश्विक खरीदारों को एक मंच पर लाकर निर्यात, निवेश और व्यापार विस्तार के नए अवसर पैदा किए हैं। आयोजकों ने अगले संस्करण को और अधिक भव्य बनाने की घोषणा की है।

अमेरिका ने 48 करोड़ डॉलर के रक्षा सौदे को दी मंजूरी, भारत की सैन्य क्षमता में होगा इजाफा

नई दिल्ली

अमेरिका ने भारत को अपाचे हेलीकाप्टर और अल्ट्रा लाइट होवित्जर तोपों के रखरखाव और सहायता सेवाओं से संबंधित उपकरण बेचने की मंजूरी दे दी है। इस प्रस्तावित सौदे की कुल अनुमानित लागत 48.22 करोड़ अमेरिकी डालर है। अमेरिका के डिफेंस सिक्योरिटी कोआपरेशन एजेंसी (डीएससीए), जो विदेशी सैन्य बिक्री (एफएमएस) को मंजूरी देती है, उसने 17 जून को संघीय रजिस्टर में इस रक्षा बिक्री संबंधी अधिसूचना जारी की।

इससे पहले 18 मई को अमेरिकी विदेश विभाग ने भारत को अपाचे हेलीकाप्टरों और एम777ए2 अल्ट्रा-लाइट हावित्जर तोपों के लिए सहायता सेवाओं की संभावित बिक्री के बारे में अमेरिकी कांग्रेस को सूचित किया था। भारत ने अपनी तोपखाना क्षमता, खासकर पर्वतीय क्षेत्रों में संचालन क्षमता को मजबूत करने के लिए अमेरिका से एम777ए2 अल्ट्रा-लाइट हावित्जर खरीदी थीं। वहीं भारतीय सेना एएच-64ई अपाचे अटैक हेलीकाप्टरों का भी संचालन करती है, जिन्हें दुनिया के सबसे उन्नत लड़ाकू हेलीकाप्टरों में गिना जाता है।

बोइंग, लाकहीड मार्टिन और बीएई सिस्टम्स होंगी प्रमुख कंपनियां

अपाचे हेलीकाप्टर सहायता कार्यक्रम के प्रमुख ठेकेदार बोइंग और लाकहीड मार्टिन होंगी। वहीं एम777 हावित्जर सहायता कार्यक्रम के लिए ब्रिटेन स्थित बीएई सिस्टम्स प्रमुख ठेकेदार होगी।

भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी को मिलेगा बल

अमेरिकी रक्षा विभाग के अनुसार, हेलीकाप्टरों और हावित्जर तोपों के लिए प्रस्तावित सहायता पैकेज अमेरिका की विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा उद्देश्यों के अनुरूप है तथा इससे भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी और मजबूत होगी। विभाग ने कहा कि भारत हिंद-प्रशांत और दक्षिण एशिया क्षेत्र में राजनीतिक स्थिरता, शांति और आर्थिक प्रगति के लिए एक महत्वपूर्ण रक्षा साझेदार है। यह सौदा भारत की वर्तमान और भविष्य की सुरक्षा चुनौतियों से निपटने की क्षमता बढ़ाने, घरेलू रक्षा को मजबूत करने और क्षेत्रीय खतरों को रोकने में मदद करेगा।

एम777 हावित्जर तोपों के लिए 23 करोड़ डालर का पैकेज

अधिसूचना के अनुसार, भारत ने एम777ए2 अल्ट्रा-लाइट हावित्जर के लिए दीर्घकालिक रखरखाव सहायता का अनुरोध किया है। इस पैकेज में सहायक उपकरण, स्पेयर पार्ट्स, मरम्मत एवं वापसी सेवाएं, प्रशिक्षण, तकनीकी सहायता, फील्ड सर्विस प्रतिनिधि, डिपो क्षमता विकास तथा लाजिस्टिक और कार्यक्रम सहायता से जुड़े तत्व शामिल होंगे। इस सहायता पैकेज की अनुमानित लागत 23 करोड़ डालर बताई गई है।

अपाचे हेलीकाप्टरों के लिए 19.82 करोड़ डालर का समर्थन पैकेज

एक अलग अधिसूचना में अमेरिकी रक्षा विभाग ने बताया कि भारत ने एएच-64ई अपाचे हेलीकाप्टरों के लिए रखरखाव सहायता सेवाएं, अमेरिकी सरकार और निजी ठेकेदारों की इंजीनियरिंग, तकनीकी एवं लाजिस्टिक सहायता, तकनीकी दस्तावेज, प्रशिक्षण और अन्य संबंधित कार्यक्रम सहायता की मांग की है।

अपाचे हेलीकाप्टरों के लिए प्रस्तावित सहायता पैकेज की अनुमानित लागत 19.82 करोड़ डालर है।

सुजुकी जिक्सर एसएफ 250 एफएफवी पर किए फ्यूल ई85 टेस्ट में मिले चौकाने वाले नतीजे

नई दिल्ली

सुजुकी जिक्सर एसएफ 250 एफएफवी फ्लेक्स फ्यूल व्हीकल पर किए गए एक हालिया माइलेज टेस्ट ने चौंकाने वाले परिणाम दिए हैं, जिससे यह पता चलता है कि कम कीमत के बावजूद ई85 फ्यूल पर गाड़ी चलाना ई20 की तुलना में महंगा पड़ सकता है। यह माइलेज टेस्ट शहर के एक ही 80 किलोमीटर के रास्ते पर ई85 और ई20 दोनों फ्यूल के लिए किया गया, ताकि ट्रैफिक की स्थिति लगभग एक जैसी रहे। टेस्ट के दौरान ई85 के साथ फ्यूल एफिशिएंसी 28.81 किलोमीटर प्रति लीटर सामने आई, जबकि ई20 के साथ यह आंकड़ा 38.10 केएमपीएल निकला। इस प्रकार, दोनों के बीच फ्यूल एफिशिएंसी में लगभग 9.29 केएमपीएल या 24.40 प्रतिशत का महत्वपूर्ण अंतर देखा गया। इन आंकड़ों के आधार पर प्रति किलोमीटर की लागत की गणना की जा सकती है। आसान शब्दों में कहा जाए तो, ई20 पर चलने की लागत लगभग 2.68 रुपए प्रति किलोमीटर बैठती है। वहीं, ई85 फ्यूल के साथ, लागत 2.85 रुपए प्रति किलोमीटर है। इससे स्पष्ट होता है कि ई85 को चलाने की वास्तविक लागत ई20 से अधिक है, भले ही ई85 को कम कीमत पर पेश किया जा रहा हो। यूजर्स को ई20 की तुलना में ई85 के लिए प्रत्येक किलोमीटर पर लगभग 17 पैसे अधिक भुगतान करना होगा। एक और बात जो ई85 के पक्ष में नहीं जाती, वह यह है कि ई85 सपोर्ट वाले टू-व्हीलर्स की कीमत भी स्टैंडर्ड ई20 वर्जन की तुलना में लगभग 5 प्रतिशत अधिक होती है।

इसका मतलब है कि ग्राहकों को न केवल बाइक खरीदते समय प्रीमियम का भुगतान करना होगा, बल्कि चलाने की अधिक लागत भी वहन करनी पड़ेगी। ये कारण वास्तव में ग्राहकों को ई85 वाहनों को खरीदने से थोड़ा दूर कर सकते हैं, क्योंकि इथेनाल फ्यूल के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के बावजूद, वास्तविक बचत का लाभ नहीं मिल पा रहा है। मालूम हो कि आटोमोबाइल कंपनियां अपने टू-व्हीलर्स में इथेनाल सपोर्ट इंजन लगाना शुरू कर चुकी हैं, जो ई20 से ई85 फ्यूल को सपोर्ट करते हैं। देश में ई85 फ्यूल की उपलब्धता भी शुरू हो गई है, जिसकी कीमत 82.12 रुपए प्रति लीटर रखी गई है, जबकि ई20 फ्यूल 102.12 रुपए प्रति लीटर पर बिक रहा है।

अमेज़न प्राइम डे 4 से 6 जुलाई तक, भोपाल में प्रीमियम उत्पादों की मांग तेज

भोपाल। ई-कॉमर्स कंपनी Amazon.in ने अपने प्राइम डे 2026 के 10वें संस्करण की घोषणा की है। यह सेल 4 जुलाई से 6 जुलाई तक चलेगी, जिसमें प्राइम सदस्यों को 500 से अधिक नए उत्पाद लॉन्च और विभिन्न श्रेणियों में 80 प्रतिशत तक की छूट मिलेगी।

अमेज़न इंडिया के डायरेक्टर (होम, किचन एवं आउटडोर्स) अमन दीप लोहान ने बताया कि मध्य प्रदेश में भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन, जबलपुर और रतलाम जैसे शहर तेजी से विकास के केंद्र बनकर उभरे हैं। उन्होंने कहा कि ग्राहक स्मार्ट और प्रीमियम उत्पादों की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं।

कंपनी के अनुसार भोपाल में रोबोटिक वैक्यूम क्लीनर की मांग में 80 प्रतिशत से अधिक वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि टू-व्हीलर श्रेणी में 95 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। लेगो बिल्डिंग सेट, इंडक्शन कुकटॉप, एयर प्यूरीफायर और फिटनेस उपकरणों की मांग भी तेजी से बढ़ रही है। अमेज़न ने बताया कि मध्य प्रदेश के 70 हजार से अधिक विक्रेता उसके प्लेटफॉर्म के माध्यम से देशभर के ग्राहकों तक पहुंच रहे हैं।

सोना-चांदी बाजार में हल्की गिरावट देशभर में कीमतों में नरमी का रुख

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सांकेतिक कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। भाव में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,46,070 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,48,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। 22 कैरेट सोना 1,33,890 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,35,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी मामूली कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,49,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,46,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,34,040 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,46,070 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,33,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,46,120 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,33,940 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,48,360 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,35,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,46,070 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,33,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,46,120 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,33,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,46,220 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,34,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,46,120 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,33,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,46,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,34,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में मामूली गिरावट दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,46,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशियाई बाजारों में मिश्रित रुख

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बढ़त के साथ बंद हुए थे। हालांकि, डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एशियाई बाजार में भी मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है।

अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता में प्रोग्रेस होने की खबर की वजह से अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान खरीदारी का माहौल बना रहा। एस एंड पी 500 इंडेक्स 80.48 अंक यानी 1.08 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,500.58 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 496.28 अंक यानी 1.91 प्रतिशत कि छलांग लगा कर 26,517.93 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया।

वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 110 अंक यानी 0.21 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 51,454.70 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.41 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 10,356.88 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.42 प्रतिशत की गिरावट के साथ 8,432.80 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके विपरीत डीएएक्स इंडेक्स 0.12 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 25,057.30 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में भी मिला-जुला कारोबार हो रहा है। एशिया के नौ बाजार में से छह के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि तीन सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स बड़ी गिरावट का शिकार हो गया है। फिलहाल यह सूचकांक 109.30 अंक यानी 1.77 प्रतिशत टूट कर 6,067.84 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 208.81 अंक यानी 0.87 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,716 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.13 प्रतिशत फिसल कर 5,185.98 अंक के स्तर पर आ गया है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.35 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,132 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.33 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,577.63 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। ताइवान वेटेड इंडेक्स ने बड़ी छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 1,357.34 अंक यानी 2.92 प्रतिशत उछल कर 47,822.54 अंक के स्तर पर आ गया है।

इसी तरह निक्केई इंडेक्स भी जबरदस्त तेजी दिखा रहा है। फिलहाल यह सूचकांक 1,532.94 अंक यानी 2.15 प्रतिशत की बढ़त के साथ 72,783 अंक के स्तर पर आ गया है। इसके अलावा कोस्पी इंडेक्स 88.98 अंक यानी 0.98 प्रतिशत की मजबूती के साथ 9,141.40 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.18 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,098.01 अंक के स्तर पर कारोबार करते हुए नजर आ रहे हैं।